वर्षः– 06
अंकः– 73
मुरादाबाद
(Friday)
03 July 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दोनों देशों के बीच MoU पीएम मोदी बोले– कई कंपनियों से नाता 100 साल से अधिक पुराना

पीएम मोदी बोले– ताकाइची छोटी बहन और दूरदर्शी, जापानी प्रधानमंत्री बोलीं .....

पीएम मोदी ने आज जापानी समकक्ष ताकाइची से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन में जापानी प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। सैनिकों की टुकड़ी ने जापानी प्रधानमंत्री के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी पेश किया। औपचारिक स्वागत के दौरान सैनिकों के दल ने संगीत की प्रस्तुति भी दी।भारत–जापान संयुक्त आर्थिक मंच में जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि निजी क्षेत्र के लगभग 129 सहयोग समझौते हुए हैं और 2 ट्रिलियन जापानी येन से अधिक के निवेश किए गए हैं। आज बड़ी संख्या में जापानी कंपनियां भारत को आधार बनाकर अफ्रीका के साथ अपने जुड़ाव का विस्तार कर रही हैं।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा, आज दुनिया ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है, जहां संरक्षणवाद (प्रोटेक्शनिज्म), आर्थिक दबाव और बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। ऐसे समय में क्षेत्र को अधिक स्वायत्त और मजबूत बनाना जरूरी है। इसी सोच के साथ मैं इस वर्ष साथ मिलकर और अधिक मजबूत तथा समृद्ध बनने के सिद्धांत पर आधारित एक नए बदलाव का प्रस्ताव रखती हूं। आत्मनिर्भरता और मजबूती पर आधारित यह सोच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महासागर पहल से भी गहराई से मेल खाती है।भारत–जापान संयुक्त आर्थिक मंच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं आपके सामने एक दृष्टिकोण रखना चाहता हूं। मैं एक ऐसी दुनिया देखता हूं, जहां जापान की तकनीकी और भारत की मार्केट क्षमता मिलकर सेमीकंडक्टर, फार्मा और जरूरी मिनरल्स के क्षेत्र में दुनिया को एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला दें; जहां जापान की पूंजी और भारत की महत्वाकांक्षा मिलकर शिपबिल्डिंग, मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नया वैश्विक नेतृत्व तैयार करें; जहां भारत और जापान के स्टार्टअप एआई, क्वांटम और बायोटेक के क्षेत्र में दुनिया के लिए अगली पीढ़ी के समाधान लाएं। एयरोस्पेस और रक्षा में अभूतपूर्व सहयोग के साथ हम वैश्विक सुरक्षा में अपना योगदान मजबूत करेंगे।द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया–जापान संयुक्त आर्थिक मंच को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, %यहां कई कंपनियों के भारत के साथ लंबे समय से संबंध रहे हैं, कुछ संबंध तो 100 साल से भी अधिक समय से।

मैं इंडिया–जापान की सफलता की कहानी का हिस्सा बनने के लिए इस मंच से जुड़ने वाले नए दोस्तों का दिल से स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के बयान के बाद जापानी समकक्ष ताकाइची ने कहा, आप मुझे छोटी बहन कहते हैं... हम दोनों की सोच एक जैसी है। इस रिश्ते को मजबूत करना अब और भी महत्वपूर्ण हो गया है। जापान और भारत के बीच रणनीतिक सहयोग को और गहरा करने के लिए मैंने हाल ही में स्वतंत्र और खुली हिंद प्रशांत नीति की घोषणा की है। दोनों देश सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और जापान की निवेश साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में दोनों देशों के बीच करीब 120 नए बिजनेस एग्रीमेंट हुए हैं, जिनके जरिए भारत में 10 अरब डॉलर से अधिक का जापानी निवेश आएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की विशाल क्षमता और जापान की गुणवत्ता को मिलाकर दुनिया को सस्ती, भरोसेमंद और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। उन्होंने इसे भारत–जापान संबंधों के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का लक्ष्य अगले 10 वर्षों में जापान से 10 ट्रिलियन येन का निवेश आकर्षित करना है। इसके साथ ही भारत में काम करने वाली जापानी कंपनियों की संख्या को दोगुना करने का भी लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत में लगातार हो रहे आर्थिक सुधारों से कारोबार करना पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है। पीएम मोदी ने जापानी कंपनियों को भारत में निवेश बढ़ाने का निमंत्रण देते हुए

कहा कि दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी आने वाले वर्षों में और मजबूत होगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जापानी समकक्ष सनाए ताकाइची के साथ अहम द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने जापानी पीएम को अपनी छोटी बहन और दूरदर्शी नेता बताया।भारत और जापान के बीच आज अहम द्विपक्षीय समझौते हुए। दोनों देशों के बीच हुए वार्षिक सम्मेलन के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अलावा फार्मा सेक्टर से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त प्रेस वार्ता भी की। अपनी गर्मजोशी और प्रधानमंत्री पद से इतर इंसानी रिश्ते के लिए दुनियाभर में मशहूर पीएम मोदी ने जापानी समकक्ष को अपनी छोटी बहन बताया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा %मेरी छोटी बहन, प्रधानमंत्री सनाए तकाइची, दोनों प्रतिनिधिमंडलों के सम्मानित सदस्य, मीडिया के सदस्य, नमस्कार और कोनिचिवा (इसका मतलब जापानी भाषा में हैलो होता है)। उन्होंने आगे कहा कि भारत–जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री तकाइची की भारत की पहली यात्रा पर उनका स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। इसके साथ ही एक दूरदर्शी और व्यापक रूप से सम्मानित नेता भी हैं। वे नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री तकाइची की इस यात्रा के साथ, हम अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। आज, भारत और जापान दोनों ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियमों पर आधारित इंडो–पैसिफिक क्षेत्र हमारी साझा प्राथमिकता है। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार -आधारित अर्थव्यवस्थाओं के तौर पर, हमने आज कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी पुलिस में धड़ाधड़ तबादले, 125 डिप्टी एसपी इधर से उधर

उज़्ार प्रदेश पुलिस में ताबड़तोड़ फेरबदल किए गए हैं। 125 डिप्टी एसपी अधिकारियों को इधरउधर किया गया है।उज़्ार प्रदेश पुलिस में ताबड़तोड़ फेरबदल किए गए हैं। गुरुवार को एक साथ 125 डिप्टी एसपी अधिकारियों को इधरउधर किया गया है। इनमें वो सभी अधिकारी शामिल हैं, निरीक्षक से डिप्टी एसपी के पद पर प्रमोशन दिया गया है। जारी तबादला सूची के अनुसार विभिन्न जनपदों, पुलिस कमिश्नरेट, पीएसी, एटीएस, रेलवे पुलिस तथा अन्य इकाइयों में तैनात अधिकारियों को नई जिज़्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस व्यापक तबादले का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और प्रशासनिक कार्यों में गति लाना बताया जा रहा है। शासन के आदेश के बाद सभी स्थानांतरित अधिकारियों को शीघ्र नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी सूची के अनुसार, कमलेश कांत का तबादला मुरादाबाद से गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट किया गया है, जबकि सुनील कुमार सिंह को भदोही से बिजनौर भेजा गया है। अरुण कुमार शुज़्ला को गोंडा से कौशांबी, मुकेश कुमार त्यागी को सहारनपुर से 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद तथा जावेद इकबाल खान को खीरी से 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र में नई तैनाती दी गई है।, राम किशन को बाराबंकी से गाजियाबाद कमिश्नरेट, अमित प्रताप सिंह को एएनटीएफ मुज़्यालय लखनऊ से बहराइच तथा शिव ठाकुर को सहारनपुर से मेरठ भेजा गया है।

केशव बोले– अखिलेश यादव अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा लें यही बहुत बड़ी बात, सत्ता में आना तो बहुत दूर

उप मुज़्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। एमएनएनआईटी में वीबी जी रामजी योजना का शुभारंभ करने पहुंचे डिप्टी सीएम केशव ने कहा कि अखिलेश यादव 2047 तक अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा लें यहीं उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उप मुज़्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। एमएनएनआईटी में वीबी जी रामजी योजना का शुभारंभ करने पहुंचे डिप्टी सीएम केशव ने कहा कि अखिलेश यादव 2047 तक अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा लें यहीं उनके लिए बहुत बड़ी बात है। सज़्ा में आना तो बहुत दूर है। कहा कि वह 2047 तक सज़्ा में वापसी करने वाले नहीं हैं। इसी बौखलाहट में वह अनर्गल बयानबाजी करके जनका का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि विपक्ष के पास भाजपा सरकारों के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए वह राम मंदिर में चंदा चोरी का मुद्दा उठाकर लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। कहा कि चोरी की जांच पुलिस कर रही है। एफआईआर हो चुकी है। छापेमारी और जांच चल रही है। पुलिस अपना काम कर रही है। एसआईटी ने जांच पूरी कर ली है। जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में राजनीति करने की जरूरत नहीं है।

वीबी रामजी से सुधरेगी गांवों की दशा केशव प्रसाद मौर्य ने कहा की 10 लाख करोड़ से अधिक खर्च करने के बाद भी मनरेगा से गांवों की दशा में सुधार नहीं हुआ है। वीबी रामजी के माध्यम से गांवों का सर्वांगीण विकास होगा। तालाब भी बनेगा और पर्यावरण संरक्षण का कार्य भी होगा। मनरेगा में 100 दिन रोजगार मिलता था लेकिन अब 125 दिन मिलेगा। 252 रुपया से बढ़ाकर 300 रुपया मजदूरी कर दी गई है।

विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार, वसूली का खेल चल रहा, अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। वसूली का खेल चल रहा है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि थाने भाजपा चला रही है। पुलिस को बस पैसे मिलने से मतलब है। यूपी में कहीं भी न्याय नहीं मिल सकता है। हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। मीडिया के लिए भी बजट होता है, लेकिन आज उसका भी बंदरबांट हो रहा है। अखिलेश यादव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर भी सरकार के निशाने पर लिया। कहा कि यह बात गांव–गांव तक पहुंच गई है। अब भाजपा को न चंदा मिलने जा रहा, न चढ़ावा मिलने जा रहा और न ही वोट मिलेगा। मर्यादा का पहला नाम राम और दूसरा नाम संविधान है। इन लोगों ने भगवान राम को भी दगा दिया है। दरअसल, 04 अप्रैल से शुरू सिख सामाजिक न्याय यात्रा का आज समापन हुआ। इस अवसर पर यात्रा में शामिल सिख समुदाय के लोग सपा मुखिया से मिलने पहुंचे। इस अवसर पर सपा मुख्यालय में कार्यक्रम रखा गया। यहां पर अखिलेश यादव ने सभी बंधुओं को सम्मानित किया।

मणिपुर में 20 घर जलने पर राहुल ने केंद्र को घेरा, महिलाओं में आक्रोश

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में 20 घर जलाए गए और हिंसा लगातार जारी है।लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को मणिपुर की ताजा त्रासदी पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत और हिंसा की आग में कम से कम 20 घर जल गए हैं। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र की आलोचना की। गांधी ने कहा कि दो सरकारों और राष्ट्रपति शासन के बावजूद राज्य में संघर्ष गहराता जा रहा है। उन्होंने कहा, मणिपुर वर्षों से जल रहा है, और आज फिर नफरत और हिंसा की आग में 20 घर राख हो गए हैं। हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई है और अनगिनत परिवार बिखर गए हैं। मणिपुर जो असहनीय पीड़ा झेल रहा है, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। गांधी ने आगे कहा कि मोदी सरकार की विभाजनकारी नीति लोगों को धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र और पहचान के नाम पर बांटती है। उन्होंने टिप्पणी की कि यह मोदी सरकार की विभाजनकारी विचारधारा का परिणाम है। आज केवल मणिपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश ने प्रधानमंत्री से सहानुभूति के दो शब्दों की भी उम्मीद छोड़ दी है। मणिपुर बेहतर का हकदार है, और इसके लिए भारत को एकजुट करना ही एकमात्र रास्ता है। इससे पहले 23 जून को हजारों महिला विक्रेताओं ने धरना प्रदर्शन किया था। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गांव के स्वयंसेवकों की हालिया गिरफ्तारी पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। मणिपुरी समाज में एक शक्तिशाली और प्रभावशाली समूह के रूप में, प्रदर्शनकारियों ने तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) और मणिपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए स्वयंसेवकों की बिना शर्त रिहाई की मांग की। उन्होंने तीन अराम्बई तेंगगोल (AT) स्वयंसेवकों को भी तुरंत रिहा करने की मांग की।यह विरोध NIA द्वारा मणिपुर में जातीय हिंसा से जुड़े छह मामलों में 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुआ। एजेंसी के अनुसार, गिरफ्तारियां एक समन्वित अभियान के दौरान की गईं। यह अभियान मणिपुर पुलिस और CRPF के साथ मिलकर कई जिलों में चलाया गया था। इन जिलों में इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, चूड़ाचांदपुर, उखरुल, चंदेल और फेरजावल शामिल हैं

इसरो मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, तलाशी में कुछ नहीं मिला;फर्जी निकला ईमेल

भारतीयअंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय बंगलूरू में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। एक ईमेल के जरिए बम की धमकी भेजी गई थी। बंगलूरू स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद गुरुवार को सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और बाद में यह धमकी फर्जी साबित हुई। पुलिस के अनुसार, धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस टीम, डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक एवं बम खोजी दस्ता (बीडीडीएस) इसरो मुख्यालय पहुंचा। एहतियात के तौर पर भवन में मौजूद सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला गया और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद धमकी को फर्जी बताया है।बंगलूरू पुलिस कमिश्नर ने कहा कि जांच पूरे देश की सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर की जा रही है। साइबर सेल ईमेल की आईपी एड्रेस, भेजने वाले व्यक्ति की पहचान और मकसद का पता लगाने में जुटा हुआ है। पुलिस ने बताया कि संजयनगर पुलिस थाना ईमेल भेजने वाले की पहचान और उससे जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रहा है। मामले की जांच जारी है।हले दिल्ली पुलिस ने कई संगठनों और एक एयर इंडिया की उड़ान को बम की धमकी वाले फर्जी ईमेल भेजने के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा है।

संपादकीय Editorial

Prove Yourself 'Indian'

Are you, I, and millions of people in the country 'Indian'? Why...why should this question arise? We are certainly 'Indians,' but if at some point in life you are asked to prove your 'Indianness,' what will you do? You will feel powerless and helpless, because this has become a very complicated matter. The Ministry of External Affairs of the Government of India has clarified that a passport is merely a travel document, not a certificate of citizenship. This practice has been in place since 1967, when the Passport Act was enacted. The Supreme Court has also given two important judgments in 2006 and 2013 that a passport is not a certificate of citizenship. The Bombay High Court also issued a similar verdict in 2013. The then Manmohan Singh government also clarified in an affidavit in the High Court that a passport is not a document of citizenship. The Ministry also clarified that since passports have been issued to non-Indians under special circumstances, they cannot be considered proof of citizenship. The question is that the passport has the "Republic of India" printed on its cover, and the holder of that document is considered an "Indian" in the rest of the world. He or she is identified as an "Indian." Then why isn't a passport the basis for citizenship? The citizenship of a "non-Indian" is mentioned on his or her passport. Let's stop the passport debate here, but approximately 1.34 billion citizens have "Aadhaar cards." More than 970 million citizens have been issued "Voter ID cards." Only citizens can become voters, so the voter ID card indirectly confirms citizenship. Millions of Indians have ration cards, PAN cards, land ownership documents, and birth certificates. All of these documents are government documents and are issued by government departments. Based on these documents, the government distributes 5 kg of free ration every month to 813.5 million people. Is this ration being distributed to foreigners? However, the demand for "Aadhaar cards" is the highest because it serves as a proof of identity, yet the government does not recognize it as a basis for citizenship. What is the meaning of the identity of an Aadhaar card holder? This card contains the holder's name, father's/husband's name, date of birth, contact details, and highly sensitive biometric data. Why is a person with such an identity not considered an "Indian"? It's surprising...these arrangements of the Modi government! What is the justification for so many government cards and documents? Abolish them. The serious and sensitive question is, on what basis should the average Indian prove their citizenship? If the Modi government intends to implement the National Register of Citizens (NRC) system in the country and recognize it as a standard citizenship document, then it should clarify. Disputing the citizenship of over 1.47 billion "Indians" while hiding behind excuses and baseless arguments is neither nationalism nor in the national interest. The NRC system was initiated in 1952, and there are provisions in the Constitution, yet to date, it has not been implemented nationwide. Politically, a particular community has been intimidated. This experiment failed in Assam, where fewer Muslims were found there and more Bengali Hindus were found there. There was confusion about who should be expelled from the country under the guise of the NRC, so the experiment was discontinued. The Citizenship Act dates back to 1955, but it was amended in 2003, 2015, 2019, and 2025. All these amendments were made during the BJP-NDA government. Despite this, the government has failed to establish a standard basis for citizenship. Arguments have been made that documents are being forged and even forged. It is a matter of shame, incompetence, and embarrassment for the government that even after 79 years.

Life Stream: Education is an endless journey that elevates humanity to the highest ideals of humanity.

Education elevates humanity above narrow-mindedness, jealousy, hatred, and animosity, leading it to the highest ideals of humanity. It not only enhances a person's self-esteem but also makes them a valuable asset to the entire world. Rumi says,

"Be a lamp, a lifeboat, and a ladder. Help heal the wounds of someone's soul. Step out of your home like a shepherd leading his flock." Reading these lines reminds me of another line I once read. In it, a student says to his teacher, "Show me enough so that I can stand on your shoulders and see ahead. Give me the light of your knowledge so that I can become something new. Don't impose your knowledge on me; let me explore the unknown and be the source of my own discoveries. May what is known become my liberation, not my slavery."

These thoughts taught me that education is what makes life beautiful. A true teacher is not just a provider of knowledge, but a conduit for new ideas, a catalyst for innovation, and a guide to independent thinking. Education should ignite the mind, spark imagination, and inspire the individual to create new ideas. Learning fosters creativity,

creativity begets ideas, ideas provide knowledge, and knowledge makes one great. A teacher's goal should be to build children's character and instill human values ??in them, enabling them to think boldly, question, and cultivate creativity. Education is an endless journey. This journey elevates individuals beyond narrow-mindedness, jealousy, hatred, and animosity,

leading them to the highest ideals of humanity. True education not only enhances a person's self-esteem but also makes them a valuable asset to the entire world. If teachers ignite curiosity, compassion, and innovation within their students, along with knowledge,

they will not only create successful citizens but also better human beings. And when this true purpose of education is reflected in the life of every person, then this world will truly become a better and more beautiful place.

Issue: The power sector awaits reforms, now the real test is how to deliver it to every consumer.

India has largely overcome the challenge of increasing power generation, but the real test now is how to ensure uninterrupted, transparent, and reliable power delivery to every consumer.

The economy India is building will desperately need reliable power supply. The sectors leading the next growth cycle—data centers, semiconductor fabs, battery gigafactories, green hydrogen plants, and advanced manufacturing—all have one thing in common. For them, even a few seconds of instability is not a minor problem but a direct impact on the financial system. Over the past years, power consumption in data centers worldwide has grown by approximately 15 percent annually, more than four times faster than the growth in total power consumption for all other sectors. By April 2026, the country's installed power generation capacity will exceed 537 gigawatts, with non-fossil sources accounting for approximately 51 percent of this capacity. A country once known for power cuts now operates one of the world's largest power systems. The question now is not whether we can generate electricity, but whether we can efficiently deliver it to consumers. Consider a typical Indian household or factory. If broadband service is poor, the operator can replace it within a day.

If a bank charges excessive fees, customers can switch to another bank. However, when power supply is disrupted or billing is not transparent, consumers have no other option. The concept of parallel licensing is being introduced to address this shortcoming. The Electricity Act has long allowed multiple distribution licensees to serve a single area. Over the past two decades, the sector has focused on increasing power generation, expanding the grid, and providing electricity to those who previously lacked access.

Those priorities were correct then, but times have changed. Serious debate is currently underway, particularly regarding the draft Electricity (Amendment) Bill, 2025.

It is feared that private power distributors will focus solely on profitable urban and industrial consumers, while leaving the responsibility of rural and farmer households to public companies. However, the draft bill imposes a universal service obligation on every licensee. Governments will continue to determine subsidy policies, rural electrification will remain a public responsibility, and regulatory bodies will continue to oversee network access, tariffs, and consumer protection. A total of 72 discoms operate across the country, comprising 44 government-owned, 16 private-sector companies, and 12 power departments. Tata Power DDL reduced AT&C losses from 53% to 5.9% by FY2024. Meanwhile, Torrent Power (Ahmedabad-Gandhinagar) had a T&D loss of 4.5% in the first half of 2025, and CESC, Kolkata, 6.5% in 2025. If this model can succeed in the country's most complex urban markets, it's hard to argue that it won't work in other areas. Having mastered power generation, India must now master its uninterrupted and efficient supply, placing the consumer at the center of the entire system.

Citizenship Certificate

The Ministry of External Affairs has clarified that a passport is not a proof of citizenship, but only a travel document. This has sparked debate about the need for a unique identity document to prove citizenship. A passport is only a travel document, not proof of citizenship. Aadhaar and driving licenses are also not proof of citizenship. A unique identity card is required to prove citizenship. Recently, when the Ministry of External Affairs stated that a passport is not a proof of citizenship, but only a travel document, a debate erupted. Many people were skeptical and asked, "If a passport is not considered proof of citizenship, how can an Indian citizen prove their citizenship abroad?" It's worth noting that there's a strong belief that a passport is a reliable proof of citizenship. This is because passports are issued only after thorough scrutiny, and the Passport Department ensures that citizens of other countries cannot obtain an Indian passport. If someone obtains a passport by providing false information, they face punitive action. The problem isn't just that a passport is not proof of citizenship. The problem is that Aadhaar cards, driving licenses, voter ID cards, and many other similar documents are not considered proof of citizenship. The Election Commission, during the Special Intensive Revision (SIR) of voter lists, stated the same, as did the Supreme Court. Following the Ministry of External Affairs' clarification on passports, it became clear that the Passport Act also states that a passport is merely a travel permit, not a certificate of citizenship. According to the Passport Act, passed by Parliament in 1967, the central government can issue passports to individuals who are not Indian citizens in the public interest or under special circumstances. Based on the provisions of this Act, the Bombay High Court also ruled in a case that a passport is not a certificate of citizenship. Clearly, after the Ministry of External Affairs' clarification on passports, there is no justification for politicizing the issue. This is especially so since the Passport Act was passed during the Congress government. If a passport were truly a certificate of citizenship, it would have been so recorded in the Act. Citizenship is determined under the Citizenship Act, 1955. According to this Act, citizenship is determined based on certain key criteria, such as birth and descent. A person born in India is an Indian citizen if both parents were born in India. Similarly, a person born outside India can also be an Indian citizen if at the time of their birth, one of their parents was an Indian citizen. Persons of Indian origin who have lived in India for seven years or are married to Indian citizens are also eligible to obtain Indian citizenship. A foreign citizen who has lived in India for 12 years can also be granted Indian citizenship. Furthermore, if a new territory becomes part of India, the Indian government grants citizenship to the people of that territory. Ironically, while the Citizenship Act clearly defines the rules for determining citizenship, it does not issue a unique identification card to Indian citizens, as is done in many countries. This is not done in our country, even though the Act recommends that the Indian government compulsorily register every citizen, issue a National Identity Card, and prepare a Register of Citizens (NRC). Very few people in India possess their parents' birth certificates. Many people lack even their own. Therefore, if the bureaucracy questions someone's citizenship for any reason, it becomes difficult for them to prove their citizenship. Now that the Ministry of External Affairs has clarified that a passport is not a certificate of citizenship, it would be wise for the government to clarify whether it plans to issue any identity card to prove citizenship to Indian citizens. When L.K. Advani was Home Minister, he initiated the creation of a National Register of Citizens (NRC) to provide citizenship certification, but it failed to move forward. Subsequently, Chidambaram, as Home Minister during the Manmohan Singh government, attempted to link Aadhaar with the NRC, but this attempt failed.

मुरादाबाद की पीतल निर्यात फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का माल खाक; 10 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

दिल्ली रोड स्थित निर्यात फर्म में देर रात भड़की आग, दो घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन मुरादाबाद के दिल्ली रोड स्थित पीतल निर्यात फर्म में देर रात भीषण आग लग गई। दो घंटे की मशक्कत के बाद 10 दमकल वाहनों ने आग पर काबू माल जल गया, जबकि 12 लग्जरी कारों प्रदेश के मुरादाबाद में दिल्ली रोड स्थित देर रात भीषण आग लगने से लाखों जलकर नष्ट हो गया। करीब दो घंटे तक दमकल वाहनों और लगभग 100 पाया। इस दौरान फैक्ट्री परिसर में खड़ी निकाल लिया गया। पुलिस के अनुसार, स्थित निर्यात नगर में कन्हैयालाल निर्मल निर्यात फर्म में आधी रात के करीब देखते आग ने विकराल रूप धारण कर समेत पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले पीतल की ट्रॉफियां, कच्चा माल और गए। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कुंवर आकाश सिंह राजीव कुमार पांडेय मौके पर पहुंचे तथा की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा की पुष्टि विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के

पाया। हादसे में लाखों रुपये का को सुरक्षित बचा लिया गया। उत्तर एक पीतल निर्यात फर्म में बुधवार रुपये का तैयार और कच्चा माल चले राहत अभियान के बाद 10 अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू 12 लग्जरी कारों को सुरक्षित बाहर दिल्ली रोड पर सर्किट हाउस के सामने कुमार ओवरसीज नामक पीतल अचानक आग लग गई। देखते ही लिया और फैक्ट्री की दूसरी मंजिल लिया।आग लगने से फैक्ट्री में तैयार अन्य तैयार उत्पाद जलकर राख हो अधीक्षक सतपाल अंतिल, पुलिस और मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी बताया कि प्रारंभिक जांच में आग रही है। हालांकि वास्तविक कारणों बाद ही होगी। आग की गंभीरता को देखते हुए मुरादाबाद के अलावा कांठ, बिलारी और ठाकुरद्वारा से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। कुल 10 दमकल वाहनों और करीब 100 अग्निशमन कर्मियों ने संयुक्त अभियान चलाकर करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। दमकल कर्मियों की सतर्कता से बचीं 12 महंगी लग्जरी कार- दमकल कर्मियों की सतर्कता से फैक्ट्री परिसर में खड़ी 12 महंगी लग्जरी कारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। हालांकि फैक्ट्री के अंदर रखा भारी मात्रा में तैयार और कच्चा माल पूरी तरह जल गया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस और अग्निशमन विभाग आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच में जुटे हैं।

रामपुर में मानसून की दस्तक: हाथीखाना चौराहा, नगर पालिका के सामने, मिस्टन गंज, पुराना गंज की सड़कें बनीं तालाब

जिले भर में मानसून ने दस्तक दे दी है। बुधवार को बदरा खूब बरसे और पूरा शहर पानी-पानी हो गया। शहर के मोहल्ला हाथी खाना चौराहा, नगर पालिका परिषद के सामने, मिस्टन गंज, पुराना गंज, लाल कबर, चिरान, जुम्मा कालोनी में सड़कें मस्ती की। सड़कों पर हुए जलभराव में किसी की पानी भर जाने के कारण खराब हो गई। पालिका सफाई के दावों की पोल खुल गई। मानसून की मिल गई है। लेकिन शहर की सड़कों पर जलभराव पड़ा। नालों की सफाई नहीं होने से बारिश का समस्या से दो चार होना पड़ा। अमृत विचार नालों था। अमृत विचार ने 29 जून के अंक में बरसात शीर्ष से खबर प्रकाशित की गई थी। इसके बावजूद खामियाजा शहरियों को पूरी बरसात भुगतना पड़ेगा। में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई और लोगों ने सड़कों पर खूब मस्ती की। शहर में बुधवार को बारिश के मौसम में लांग ड्राइव पर निकल गए।

तालाब बन गईं। झमाझम बारिश में बच्चों ने खूब बाइक, किसी की ई रिक्शा और किसी की कार में के जिम्मेदारों के शहर के 84 नालों की तली झाड़ झमाझम बारिश से भीषण गर्मी से लोगों को राहत होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पानी पास नहीं होने के कारण लोगों को जलभराव की की सफाई के लिए लगातार खबर प्रकाशित कर रहा करीब, शहर के नाले गंदगी और कचरे से लबालब नालों की तली झाड़ सफाई नहीं कराई गई जिसका बुधवार को सुबह से बारिश हो रही थी लेकिन, दोपहर बारिश को खूब इंजॉय किया। बच्चों ने घरों और बाजार बंद रहता है इसलिए व्यापारी और दुकानदार बारिश से मौसम राहत भरा हो गया है। सात दिन तक मानसून के बरसने का अनुमान है। मेघगर्जन और आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं।- डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय मेरठ मानसून से पूर्व सतर्कता बरतें, जलस्त्रोतों के पास न जाएं- डीएम- वर्षा ऋतु के दृष्टिगत जिले में नदियों, नहरों, तालाबों, पोखरों, कुओं तथा अन्य जल निकायों में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने जनपदवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। डीएम ने कहा कि मानसून के दौरान नदियों एवं अन्य जलस्त्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है, जिससे डूबने की दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। कहा बच्चों को जल स्त्रोतों के संभावित खतरों के प्रति जागरूक करें और किसी भी परिस्थिति में उन्हें अकेले जल स्त्रोतों के आसपास न जाने दें। गहरे पानी में स्नान, तैराकी, छलांग लगाने, सेल्फी लेने अथवा अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों से पूर्णत: बचें। धार्मिक आयोजनों, सामूहिक स्नान अथवा अन्य अवसरों पर भी सुरक्षा मानकों का पालन करें। यदि किसी स्थान पर जलभराव, तेज बहाव अथवा डूबने जैसी कोई आपात स्थिति दिखाई दे तो तत्काल संबंधित विभाग, पुलिस अथवा जिला प्रशासन को सूचना दें। सीबीएसई स्कूल खुले, भीगते हुए घर पहुंचे बच्चे- 1 जुलाई से सीबीएसई स्कूल खुल गए और दोपहर में झमाझम बारिश होने के कारण भीगते हुए बच्चे घरों तक पहुंचे। हालांकि, जो लोग बच्चों को बाइक और स्कूटी से लेने स्कूल पहुंचे थे वह बच्चों को पॉलीथीन और बरसाती ढक कर घरों को लेकर गए। बारिश के कारण पहले स्कूलों में बच्चों की संख्या कम रही। खौद-रामपुर मार्ग पर जलभराव, लोगों को आवाजाही में परेशानी- अजीमनगर थाना क्षेत्र के खौद-रामपुर मुख्य मार्ग पर जलभराव के कारण स्थिति बदहाल हो गई है। नाला निर्माण योजना के चलते सड़क पर करीब दो-दो फीट पानी भर गया है, जिससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है। बच्चों को घुटनों तक भरे गंदे पानी के बीच से होकर स्कूलों तक आवाजाही करना पड़ी। जलभराव के कारण कई बच्चे फिसलकर गिर गए, जिससे उनकी किताबें और यूनिफॉर्म खराब हो गई। खौद चौराहे पर प्रशासन की लापरवाही के कारण बारिश से पहले नाले का काम पूरा नहीं किया गया।

लखनऊ में रिमझिम बारिश, यूपी के सभी 75 जिलों में भी आज वर्षा के आसार, आंधी का अलर्ट

यूपी के बहराइच में अब तक सबसे ज्यादा बारिश, लखनऊ में भी सुहाना हुआ मौसम

मौसम विभाग ने पूर्वी और पश्चिमी यूपी के जिलों में बादलों की गरज के साथ वज्रपात की संभावना भा जताते हुए अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल छाए हैं। कुछ जगहों पर बारिश हो रही है तो कहीं बारिश बदल रहा है। भीषण गर्मी के बाद अब अलग-अलग हिस्सों में झमाझम बारिश देखने शहरों में बारिश हो रही है। भोर की बारिश बलिया समेत कई जनपदों में आज बारिश है। भीषण गर्मी के बाद अब बारिश का दौर हिस्सों में झमाझम बारिश देखने को मिली। हो रही है। भोर की बारिश के साथ राजधानी कई जनपदों में आज बारिश हो रही है। बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी चुका है। मेरठ, बदायूं, अयोध्या और लखनऊ भारी बारिश होगी।मौसम विभाग ने पूर्वी वज्रपात की संभावना भा जताते हुए अलर्ट छाए हैं। कुछ जगहों पर बारिश हो रही है तो मौसम विभाग ने गुरुवार को लखनऊ में

के आसार बने हैं। उत्तर प्रदेश का मौसम बड़ी तेजी के साथ बारिश का दौर शुरू हो चुका है। पिछले दो दिनों से राज्य के को मिली। बुधवार के बाद अब गुरुवार को भी करीब 18 के साथ राजधानी लखनऊ का मौसम सुहाना हो गया। कानपुर, हो रही है। उत्तर प्रदेश का मौसम बड़ी तेजी के साथ बदल रहा शुरू हो चुका है। पिछले दो दिनों से राज्य के अलग-अलग बुधवार के बाद अब गुरुवार को भी करीब 18 शहरों में बारिश लखनऊ का मौसम सुहाना हो गया। कानपुर, बलिया समेत मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी मानसून लखनऊ में प्रवेश कर होकर आगे बढ़ेगा। प्रदेश के कई इलाकों में तेज हवा के साथ और पश्चिमी यूपी के जिलों में बादलों की गरज के साथ जारी किया है। गुरुवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल कहीं बारिश के आसार बने हैं। राजधानी में गिरा पारा - गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। मौसम के बदले रुख ने गर्मी से बड़ी राहत दिलाई है। पिछले दिनों पारा 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर टिका था, वो अब अधिकतम 35 के आसपास है। लखनऊ में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहेगा। बहराइच में सबसे अधिक बारिश - बारिश के मामले में बहराइच सबसे आगे है। यूपी में अभी तक बहराइच ही एकमात्र जनपद है, जहां 113 मिमि बारिश हुई है। बिजनौर और ललितपुर में भी ठीक-ठाक बारिश हुई है। मानसून की दस्तक से राहत - यूपी में मानसून की दस्तक से आमजन से लेकर काश्तकारों तक ने बड़ी राहत महसूस की है। गर्मी जीना मुहाल किए थी। जमीन और आसमान एक जैसे तप रहे थे। हालांकि इस बार मानसून 10 दिन की देरी से पहुंचा है। सोनभद्र, महाराजगंज के रास्ते यूपी में दाखिल हुआ।

संक्षिप्त समाचार

यूपी टीईटी परीक्षा का शुभारंभ, परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की पायल से लेकर टोपी, गमछा और बेल्ट तक उतरवाई

यूपी में कड़ी निगरानी में शुरू हुई पहली शिफ्ट की परीक्षा, सघन तलाशी के बाद अभ्यर्थियों को मिली केंद्रों पर एंट्री- यूपी-टीईटी परीक्षा तीन दिन तक चलेगी। इसमें 19.94 लाख अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। यूपी से 17.67 लाख और दूसरे राज्यों से 2.27 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 60 जिलों में 955 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकलविहीन और

पारदर्शी परीक्षा को लेकर केंद्रों पर इस बार अतिरिक्त और विशेष सतर्कता देखने को मिल रही है।उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता

परीक्षा (UP-TET) 2026 का शुभारंभ हो गया है। आज-गुरुवार परीक्षा का पहला दिन है। तीन दिन यानी 4 जुलाई तक चलने वाली टीईटी परीक्षा में 19.94 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसमें 17.67 लाख अभ्यर्थी यूपी के हैं। दूसरे राज्यों के 2.27 लाख अभ्यर्थी यूपी टीईटी परीक्षा देंगे। राज्य के 60 जनपदों में 955 परीक्षा केंद्र बनाए हैं, जहां कड़ी निगरानी में आज परीक्षा का शुभारंभ हो गया। यूपी टीईटी की परीक्षा दो शिफ्ट में चलेगी। पहली शिफ्ट 9-30 बजे से दोपहर 12 बजे तक है। दूसरी शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2-30 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। यूपी टीईटी के पहले दिन परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी

नजर आई। अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक, रेटिना स्कैन जैसी डिजिटल जांच से गुजरना पड़ा। एडमिट कार्ड चेकिंग के बाद सेंटर्स पर एंट्री दी गई। जूड़ा-टोपी उतारकर एंट्री- कई केंद्रों पर सघन तलाशी ली गई। महिला अभ्यर्थियों की पायल, जूड़ा और गहने भी उतरवा दिए गए। पुरुष अभ्यर्थियों के गमछा, टोपी और बेल्ट भी निकलवा ली गई। उसके बाद ही उन्हें केंद्रों पर प्रवेश दिया गया। प्रयागराज के कुछ केंद्रों पर जूते-मोजे निकलवा कर जांच की गई। ये सारी कसरत यूपी टीईटी परीक्षा को नकलविहीन कराने को लेकर है। पिछली कुछ परीक्षाओं के पेपर लीक और नकल के मामलों को लेकर विशेष सकर्तका बरती जा रही है। उसका असर भी दिखाई दे रहा है। परीक्षा केंद्रों पर शासन-प्रशासन की पैनी नजर है। अधिकारी केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। सुरक्षा-व्यवस्था के कड़े इंतजामों के बीच यूपी-टीईटी परीक्षा जारी है। लखनऊ में उतरवाए गहने - राजधानी लखनऊ में परीक्षा देने पहुंची महिला अभ्यर्थियों के गहने उतरवाए गए। अभ्यर्थियों ने गहने निकालकर अपने परिजनों के हवाले किए। कुछ अभ्यर्थियों ने तो बिछुआ से लेकर अंगूठी तक निकालकर रख दी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फर्रुखाबाद में बिना अनुमति 100 सागौन के पेड़ कटे: ग्रामीणों की शिकायत पर शुरू जांच, तीन बीघा भूमि पर लगे थे

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में बिना अनुमति 100 सागौन के पेड़ कटे: ग्रामीणों की शिकायत पर शुरू जांच, तीन बीघा भूमि पर लगे थे फर्रुखाबाद जनपद के शमशाबाद विकासखंड क्षेत्र में लकड़ी ठेकेदारों ने बिना अनुमति के 100 से अधिक सागौन के पेड़ काट डाले। ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। यह घटना शमशाबाद विकासखंड के गांव नगला दमू में हुई, जिसका थाना क्षेत्र नवाबगंज है। बताया गया कि यहां तीन बीघा भूमि पर सागौन के पेड़ लगे थे। ठेकेदारों ने तीन दिन पहले रात के समय बिना अनुमति पेड़ों की कटाई शुरू कर दी। रविवार को ग्रामीणों ने इसकी शिकायत वन दरोगा से की, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर कटाई रुकवाई गई और

उच्च अधिकारियों को जानकारी दी गई। हालांकि, कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण सोमवार रात को भी कटाई जारी रही। ग्रामीणों का दावा है कि तीन दिनों में करीब 100 से अधिक पेड़ काटे गए हैं। लगातार कटाई होने पर ग्रामीणों ने जिला वन अधिकारी से शिकायत की। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कटे हुए पेड़ों की जड़ों की गिनती की और उनकी मोटाई मापी। क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि लगभग 70 पेड़ काटे गए हैं।

राजेश कुमार के अनुसार, इन पेड़ों की मोटाई कम है। इससे पहले 35,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, और अब लगभग 1 लाख रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। गौरतलब है

कि कुछ समय पहले कायमगंज से लकड़ी ले जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली का वन विभाग की टीम ने पीछा किया था। ये लोग शमशाबाद में एक आरा मशीन पर पहुंचे थे, जहां वन विभाग की टीम से अभद्रता की गई थी और इस मामले में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। इसके अलावा, बीते दिनों कमालगंज क्षेत्र में भी अवैध कटाई की घटना हुई थी।

फर्रुखाबाद में टीईटी शुरू: 19 केंद्रों पर तीन दिन में 31,560 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा; कई जिलों से पहुंचे परीक्षार्थी

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में गुरुवार से शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) शांतिपूर्ण और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई। तीन दिनों तक चलने वाली इस परीक्षा के लिए जिले में 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 31,560 अभ्यर्थी पांच पालियों में परीक्षा देंगे। पहले दिन सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें लग गईं। सघन तलाशी, बायोमेट्रिक सत्यापन और दस्तावेजों की जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को केंद्रों में प्रवेश दिया गया। परीक्षा को नकल विहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। गुरुवार सुबह अभ्यर्थी निर्धारित समय से पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। सुबह 6:30 बजे से परीक्षार्थियों का आना शुरू हो गया, जबकि सुबह 7:15 बजे से 8:45 बजे तक उन्हें लाइनवार प्रवेश दिया गया। प्रत्येक प्रवेश द्वार पर पुलिसकर्मियों ने प्रारंभिक जांच की। इसके बाद मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई और बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराई गई। प्रवेश पत्र पर लगे फोटो का मिलान करने के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में जाने की अनुमति दी गई। महिला अभ्यर्थियों की भी हुई विशेष जांच- परीक्षा केंद्रों पर महिला अभ्यर्थियों की भी निर्धारित मानकों के अनुसार

जांच की गई। उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पहले अंगूठी, कान की बालियां और अन्य धातु की वस्तुएं उतारने के लिए कहा गया। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। दूसरे जिलों से भी पहुंचे हजारों परीक्षार्थी- टीईटी परीक्षा में शामिल होने के लिए हरदोई, कानपुर, इटावा, औरैया, मैनपुरी सहित आसपास के कई जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी फर्रुखाबाद पहुंचे हैं। कई परीक्षार्थी देर रात ही शहर पहुंच गए थे। कुछ अभ्यर्थियों ने रोडवेज बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर रात बिताई, ताकि समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच सकें। हर पाली में 6,312 अभ्यर्थी दे रहे परीक्षा- शहर और कमालगंज क्षेत्र के कुल 19 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक पाली में 6,312 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित हो रही है। नकल रोकने के लिए प्रशासन सतर्क- परीक्षा को पूरी तरह नकल विहीन और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

IGRS में बरेली परिक्षेत्र का प्रदेशभर में डंका, जून-2026 की रैंकिंग में नंबर-1 बना पूरा परिक्षेत्र! DIG अजय कुमार साहनी के नेतृत्व में बड़ी उपलब्धि

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जन शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने पूरे उत्तर प्रदेश में इतिहास रच दिया है। शासन की आईजीआरएस (IGRS) रैंकिंग में माह जून-2026 के लिए बरेली परिक्षेत्र ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देशन में जन शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का यह शानदार परिणाम सामने आया है। इस उपलब्धि में बरेली, बदायूं और पीलीभीत जनपदों ने संयुक्त रूप से प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इतना ही नहीं, बरेली परिक्षेत्र के कुल 74 थानों ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर प्रदेश में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इनमें बरेली के 21, बदायूं के 22, पीलीभीत के 11 और शाहजहांपुर के 20 थाने शामिल हैं। इस उल्लेखनीय सफलता पर परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत उपनिरीक्षक शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, जिन जनपदों और थानों का प्रदर्शन अपेक्षित स्तर का नहीं रहा है, उनके कार्यों की समीक्षा कर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे।

5 जुलाई रविवार को नागरिक सुरक्षा कोर का महारक्तदान अभियान, डीएम अविनाश सिंह ने की अधिक से अधिक सहभागिता की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नागरिक सुरक्षा कोर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 5 जुलाई को 300 बेड मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सालय, खुर्रम गोटिया रोड, बरेली में नागरिक सुरक्षा कोर के पदाधिकारी, स्वयंसेवक एवं उनके पारिवारिक सदस्य स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने का संदेश देंगे। रक्तदान शिविर का उद्देश्य अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। हर वर्ष बड़ी संख्या में नागरिक सुरक्षा कोर के सदस्य इस अभियान में भाग लेकर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने जनपदवासियों से इस पुनीत अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने का आह्वान किया।

50 हजार का इनामी डकैत ढेर! मुठभेड़ में मास्टरमाइंड का अंत, एसआई नीरज कुमार और कांस्टेबल अविनाश हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली, बदायूं । परिक्षेत्र पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना इस्लामनगर क्षेत्र में डकैती और लूट की कई वारदातों के मास्टरमाइंड तथा 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश जितेन्द्र उर्फ ढालू को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस बिल्सी रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने इनामी बदमाश को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश घायल हो गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान उपनिरीक्षक नीरज कुमार और कांस्टेबल अविनाश भी गोली लगने से घायल हुए, जिनका उपचार जारी है। अभियुक्त के कब्जे से एक .32 बोर सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, एक .315 बोर तमंचा, कारतूस, डकैती के 13 आभूषण, ?2,060 नकद, एक पिट्ठू बैग तथा एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद हुई। उसके खिलाफ गौतमबुद्धनगर, अमरोहा, संभल और बदायूं समेत कई जनपदों में डकैती, लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

रमाडा होटल में पूर्व कर्मचारी से मारपीट का आरोप, कोर्ट सख्त : एएसपी को जांच के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के सिविल लाइंस स्थित रमाडा होटल के पूर्व कर्मचारी के साथ कथित मारपीट, बंधक बनाने और धमकी देने का मामला अब अदालत पहुंच गया है। महेश पुरा, सीबीगंज निवासी मोहम्मद साजिद अंसारी ने होटल मालिक और तीन कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि नौकरी छोड़ने के बाद उसे होटल बुलाकर हाउसकीपिंग रूम में मारपीट की गई, मोबाइल छीन लिया गया और दो घंटे तक बंधक बनाकर दोबारा नौकरी करने का दबाव बनाया गया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस से कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट का रुख किया। अब अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीओ तृतीय (एएसपी) को आदेश दिए हैं। जांच रिपोर्ट 14 जुलाई तक अदालत में पेश करनी होगी।

खरीफ सीजन में उर्वरक पर प्रशासन सख्त: 12 नमूने लिए... मीरगंज में दो खाद विक्रेताओं को नोटिस जारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / मीरगंज बरेली । खरीफ सीजन में किसानों को निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराने के लिए जिला कृषि विभाग ने गुरुवार को मीरगंज तहसील के उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जिला कृषि अधिकारी ने जांच के दौरान 12 उर्वरक नमूने लिए और अभिलेख अधूरे मिलने पर राज खाद भंडार व एग्री जंक्शन वन स्टॉप शॉप, मिर्जापुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया। निरीक्षण के दौरान सभी खाद विक्रेताओं को निर्देश दिए गए कि किसानों को बिना ओवररेटिंग और टैगिंग के, खतौनी व फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही पीओएस मशीन से उर्वरक वितरित किया जाए। साथ ही सभी अभिलेख पूर्ण रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नियमों के उल्लंघन पर उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद के सहकारी और निजी बिक्री केंद्रों पर फिलहाल उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

जर्जर दीवार बनी काल , रस्क लेने निकले चचेरे भाई-बहन की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अलीगंज थाना क्षेत्र के कैनी गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 8 वर्षीय अंशु और 7 वर्षीय इशिका की जर्जर दीवार गिरने से मौत हो गई। दोनों मासूम पड़ोस की दुकान से रस्क लेकर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में खड़ी पुरानी पक्की दीवार अचानक भरभराकर उन पर गिर गई। तेज आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर दोनों बच्चों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बताया गया कि दोनों बच्चे बुधवार को ही अपने ननिहाल से दादी के घर लौटे थे, जबकि उनके माता-पिता मजदूरी के लिए बाहर रहते हैं। सूचना मिलते ही अलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं ग्रामीणों ने गांव की जर्जर दीवारों को जल्द हटाने की मांग करते हुए कहा कि समय रहते कार्रवाई होती तो यह दर्दनाक हादसा न होता ।

जर्जर दीवार बनी काल , रस्क लेने निकले चचेरे भाई-बहन की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अलीगंज थाना क्षेत्र के कैनी गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 8 वर्षीय अंशु और 7 वर्षीय इशिका की जर्जर दीवार गिरने से मौत हो गई। दोनों मासूम पड़ोस की दुकान से रस्क लेकर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में खड़ी पुरानी पक्की दीवार अचानक भरभराकर उन पर गिर गई। तेज आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर दोनों बच्चों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बताया गया कि दोनों बच्चे बुधवार को ही अपने ननिहाल से दादी के घर लौटे थे, जबकि उनके माता-पिता मजदूरी के लिए बाहर रहते हैं। सूचना मिलते ही अलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं ग्रामीणों ने गांव की जर्जर दीवारों को जल्द हटाने की मांग करते हुए कहा कि समय रहते कार्रवाई होती तो यह दर्दनाक हादसा न होता ।

ऑपरेशन मुक्ति का असर : 10 बेसहारा लोगों को मिला सुरक्षित आश्रय, बच्चों की हुई घर वापसी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में जनपद में %ऑपरेशन मुक्ति% के तहत विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से अब तक 10 बेसहारा, जरूरतमंद और लावारिस व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए लोगों में 7 बच्चे, 2 मानसिक रूप से अविकसित महिलाएं और 1 वृद्ध पुरुष शामिल हैं। बच्चों को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया तथा उन्हें दोबारा घर से न भागने की समझाइश दी गई। एक महिला को राजकीय महिला शरणालय में भर्ती कर उपचार व काउंसलिंग कराई जा रही है, जबकि दूसरी महिला को उसके

माता-पिता के सुपुर्द किया गया। वहीं वृद्ध पुरुष को सुरक्षित रूप से वृद्धाश्रम में आवासित कराया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि निराश्रित बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के संरक्षण व पुनर्वास के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कोई बच्चा, महिला या वृद्ध लावारिस या दयनीय अवस्था में मिले तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें।

देवरनिया पुलिस ने दो शातिर चोर दबोचे , इन्वर्टर-गैस सिलेंडर समेत हजारों का सामान बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत देवरनियां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बरेली-नैनीताल हाईवे पर ग्राम वसुपुरा के पास एक खंडहर में कुछ संदिग्ध युवक चोरी का सामान लेकर मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर विष्णु मौर्य और हाशिम को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से एक इन्वर्टर, एक बैटरी, तीन गैस सिलेंडर, तीन एंड्रॉयड मोबाइल और 5,200 रुपये नकद बरामद हुए। जांच में सामने आया कि बरामद सामान थाना देवरनियां क्षेत्र में दर्ज तीन अलग-अलग चोरी के मुकदमों से संबंधित है। इसके बाद पुलिस ने संबंधित मुकदमों में आवश्यक धाराएं बढ़ाते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे बेरोजगार हैं और नशे की लत के चलते चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। चोरी के बाद सामान को हाईवे किनारे स्थित खंडहर में छिपाकर रखते थे और मौका मिलने पर राहगीरों को बेच देते थे। आरोपियों ने पंचायत भवन और प्राथमिक विद्यालय में हुई चोरी की घटनाओं में भी अपना जुर्म कबूल किया है। फिलहाल देवरनिया पुलिस दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

17 केंद्र, 37 हजार अभ्यर्थी... TET-2026 की बड़ी परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET)-2026 का आयोजन आज 2 जुलाई से शुरू हो गया है। तीन दिन (2, 3 और 4 जुलाई) तक चलने वाली परीक्षा में जिले के 17 परीक्षा केंद्रों पर 37,613 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पहले दो दिन परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 से 12:00 बजे और दूसरी पाली 2:30 से 5:00 बजे तक चलेगी, जबकि 4 जुलाई को केवल एक पाली में परीक्षा होगी। पहले दिन दोनों पालियों में 7,549 और 7,550 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। हर परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और निगरानी टीम तैनात की गई है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और नकल सामग्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड, वैध फोटो आईडी साथ लाने और निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

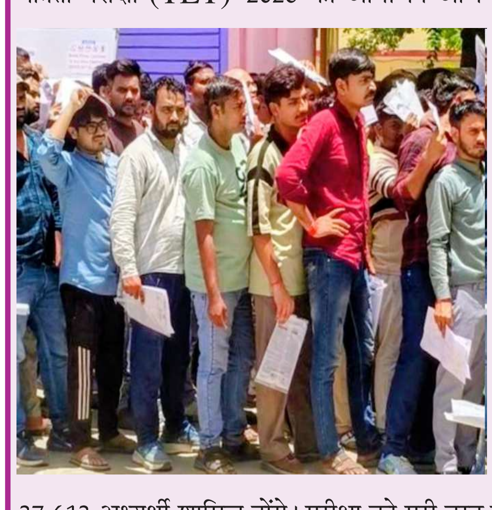

9 दिन का आंदोलन, 6 माह का इंतजार... फिर भी अंधेरे में 17 गांव

ठंड में मिला था बिजली का आश्वासन, गर्मी गुजर गई, अब बरसात भी शुरू... लेकिन बिजली आज भी नहीं पहुंची

क्यूँ न लिखूँ सच/ महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक लाइन विस्तार का था वादा, वनांचल के अन्य गांवों में सौर ऊर्जा व्यवस्था भी पूरी तरह ठप चांदनी-बिहरपुर, सूरजपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ वनांचल चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र के 17 गांव आज भी बिजली की रोशनी का इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब छह माह पहले कड़ाके की ठंड के दौरान बिजली की मांग को लेकर बिहरपुर तहसील मैदान में लगातार नौ दिनों तक ऐतिहासिक आंदोलन किया गया था। आंदोलन के बाद जिला प्रशासन ने महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक विद्युत लाइन विस्तार कर बिजली उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, जबकि पहाड़ी एवं वन क्षेत्र के अन्य गांवों में क्रेडा (CREDA) के माध्यम से सौर ऊर्जा आधारित बिजली व्यवस्था विकसित करने की बात कही गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि छह माह बीत जाने के बाद भी न तो विद्युत लाइन विस्तार का कार्य शुरू हुआ और न ही सौर ऊर्जा व्यवस्था को पुनर्जीवित किया गया। ठंड बीत गई, भीषण गर्मी भी समाप्त हो गई और अब बरसात का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन क्षेत्र के हजारों लोग आज भी अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं। करीब 12 हजार से अधिक ग्रामीण अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर- ग्रामीणों के अनुसार चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र के इन 17 गांवों में करीब 12 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। बिजली नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई, मरीजों की देखभाल, मोबाइल चार्जिंग, घरेलू कार्य और रात में आवागमन जैसी सामान्य जरूरतें भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। बरसात के मौसम में जहरीले सांप-बिच्छू तथा जंगली जानवरों का खतरा बढ़ जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। कड़ाके की ठंड में 9 दिन तक चला आंदोलन- ग्रामीण बताते हैं कि बिजली की मांग को लेकर सैकड़ों महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा बिहरपुर तहसील मैदान में लगातार नौ दिनों तक धरने पर बैठे रहे। कड़ाके की ठंड के बावजूद आंदोलन जारी रहा। इस दौरान कई लोगों की तबीयत भी बिगड़ी थी, जबकि विरोध स्वरूप कुछ ग्रामीणों ने मुंडन कराकर भी अपना आक्रोश जताया। नौवें दिन जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। महुली से नवडीहा तक बिजली लाइन का था वादा- आंदोलन के दौरान प्रशासन ने महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक विद्युत लाइन विस्तार का भरोसा दिया था। वहीं इन गांवों से आगे स्थित पहाड़ी एवं वन क्षेत्र के गांवों में क्रेडा के माध्यम से सौर ऊर्जा आधारित बिजली व्यवस्था विकसित करने की बात कही गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों ही योजनाएं आज तक धरातल पर दिखाई नहीं दे रही हैं। दो दर्जन से अधिक सोलर पावर प्लांट दो वर्षों से बंद- ग्रामीणों का कहना है कि चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र में क्रेडा द्वारा वर्षों पहले लगाए गए दो दर्जन से अधिक सोलर पावर प्लांट, होम लाइट और इनवर्टर पिछले लगभग दो वर्षों से पूरी तरह बंद पड़े हैं। अधिकांश बैटरियां खराब हो चुकी हैं, इनवर्टर जवाब दे चुके हैं और रखरखाव के अभाव में सोलर सिस्टम अनुपयोगी हो गए हैं। कई गांवों में सोलर प्लांट केवल ढांचा बनकर रह गए हैं, जबकि ग्रामीण फिर से लालटेन और अन्य वैकल्पिक साधनों पर निर्भर हैं। %प्रक्रिया जारी है% का जवाब, लेकिन काम शुरू नहीं- ग्रामीणों का कहना है कि जब भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली जाती है तो केवल प्रक्रिया जारी है कहकर जवाब दिया जाता है। लेकिन छह माह बाद भी न बिजली के पोल लगाए गए, न तार खींचे गए और न ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य शुरू हुआ। इससे लोगों में निराशा और नाराजगी लगातार बढ़ रही है। बरसात में बढ़ी मुश्किलें, शिक्षा और स्वास्थ्य पर असर- बिजली नहीं होने से बरसात के मौसम में ग्रामीणों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। रात के समय जहरीले जीव-जंतुओं और जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मरीजों को रात में इलाज और आपातकालीन परिस्थितियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मोबाइल नेटवर्क और संचार व्यवस्था भी बिजली के अभाव में प्रभावित होती है।

जिला प्रशासन और शासन से तत्काल कार्रवाई की मांग- ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर तथा छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि आंदोलन के दौरान किए गए वादे को तत्काल पूरा किया जाए। महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक विद्युत लाइन विस्तार का कार्य बिना और विलंब के शुरू कराया जाए। साथ ही वनांचल के अन्य गांवों में क्रेडा के माध्यम से नई सौर ऊर्जा व्यवस्था स्थापित की जाए तथा वर्षों से बंद पड़े सोलर पावर प्लांट, होम लाइट और इनवर्टर की मरम्मत या प्रतिस्थापन कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही काम शुरू नहीं हुआ तो वे फिर से लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उनका कहना है कि छह माह पहले मिला आश्वासन आज भी अधूरा है और 17 गांवों के हजारों लोग अब भी बिजली की रोशनी का इंतजार कर रहे हैं।

मेडिकल एजेंसी के अवैध गोदाम से 8140 कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद, अनुमानित कीमत20 ,35 ,000

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) श्री आयुष विक्रम सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री नारायण दत्त मिश्र व क्षेत्राधिकारी नानपारा श्री पहुप सिंह के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना रुपईडीहा श्री रमेश रावत व प्रभारी निरीक्षक थाना दरगाह शरीफ श्री रामाज्ञा सिंह के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक श्री विनयकृष्ण जनपद बहराइच के सहयोग से पुलिस टीम को मिली बड़ी सफलता । जिसके क्रम में दिनांक 29.06.2026 को औषधि प्रशासन विभाग एवं थाना रुपईडीहा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आदर्श आयुर्वेदिक औषधि स्टोर पर की गई संयुक्त कार्यवाही के दौरान कुल 08 प्रकार की कुल 2,349 बोतल कोडीन युक्त नशीली कफ सिरप (कुल वजन 2 कुन्तल 34 किलो 900 ग्राम), 12,145 ट्रामाडोल कैप्सूल तथा अन्य विभिन्न प्रकार की नशीली/नियंत्रित दवाइयाँ बरामद की गयीं तथा स्टोर संचालक आदित्य कुमार मिश्रा

पुत्र कृपाराम मिश्रा, उम्र लगभग 44 वर्ष, निवासी स्टेशन रोड, केवलपुर, रुपईडीहा, जनपद बहराइच को गिरफ्तार करते हुए थाना रुपईडीहा पर मु0अ0सं0 168/2026 धारा 8/21/22 NDPS ACT व धारा 278 BNS धारा 18,18क, 18ष्ट, 27, 28, 28 औषधि एवं प्रसाधन सामाग्री अधिनियम पंजीकृत कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई थी तथा गिरफ्तार अभियुक्त आदित्य कुमार मिश्रा से बरामद अवैध दवाइयों के बारे में कड़ाई से पूछताछ की गयी तो अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उक्त नशीली एवं नियंत्रित औषधियों की आपूर्ति अजय कुमार यादव उर्फ पवन यादव द्वारा की जाती थीं, थाना रुपईडीहा व थाना दरगाह शरीफ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा प्राप्त इनपुट के आधार पर छानबीन शुरू की गयी । उक्त के क्रम में पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आरोपी अजय कुमार यादव द्वारा संचालित शिवांस मेडिकल एजेंसी, असरफा परसौरा, थाना दरगाह शरीफ, जनपद बहराइच पर पहुँचकर पूछताछ व चेकिंग की गयी । जांच के दौरान एजेंसी से कुछ दूरी पर स्थित संचालक अजय कुमार यादव के आवास परिसर में बिना वैध लाइसेंस के संचालित एक अवैध गोदाम पाया गया जिसकी तलाशी में 25 बोरियों में रखी विभिन्न ब्रांड की कोडीन युक्त कुल 8,140 शीशियों में कफ सिरप बरामद की गईं,

जिसके संबंध में पूछताछ करने पर अभियुक्त अजय उपरोक्त द्वारा बताया गया कि वह करीब 150 रुपये मूल्य की कोडीनयुक्त सिरप को 250 रुपये में बेंचकर गाढ़ा मुनाफा कमाता था । पुलिस द्वारा अभियुक्त अजय उपरोक्त को गिरफ्तार कर अवैध औषधियों के परिवहन में प्रयुक्त वाहन को सीज करते हुए बरामदगी के आधार पर थाना दरगाह शरीफ पर मु0अ0सं0 306/2026 अंतर्गत धारा 8/21 एवं 8/25 एनडीपीएस अधिनियम, धारा 278 बीएनएस तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 18, 18क, 18ष्ट, 27, 28 एवं 28 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है तथा अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

03 जुलाई को आम महोत्सव लखनऊ में प्रतिभाग एवं भ्रमण हेतु कलेक्ट्रेट से रवाना होगी बस

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026 का आयोजन 03 से 05 जुलाई तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर, लखनऊ में किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद के आम उत्पादकों, कृषकों, प्रसंस्करणकर्ताओं, पौधशाला संचालकों एवं कृषक उत्पादक संगठनों से आम महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आम महोत्सव में बागवान, कृषक उत्पादक संगठन एवं पौधशाला संचालक अपने उत्पादों तथा पौधों के विक्रय हेतु स्टॉल भी स्थापित कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त 04 जुलाई को जन भवन, लखनऊ में आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आम महोत्सव में प्रतिभाग एवं भ्रमण के इच्छुक बागवानों के लिए विभाग द्वारा बस की व्यवस्था की गई है, जो दिनांक 03 जुलाई, 2026 को रात्रि 9:00 बजे कलेक्ट्रेट परिसर, बदायूं से रवाना होगी। उन्होंने बताया कि आम महोत्सव के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा आम की उन्नत खेती, नई प्रजातियों, आधुनिक तकनीक, विपणन एवं प्रसंस्करण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने जनपद के कृषकों एवं बागवानों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर उन्नत बागवानी तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने तथा आम उत्पादन एवं आय में वृद्धि करने का आह्वान किया है।

संभल में 101 करोड़ की जमीन गबन में फंसे शाहजहांपुर के सहायक नगरायुक्त गिरफ्तार

संभल के एसपी बोले-सिस्टम के अंदर रहकर सिस्टम को दीमक की तरह खाने वालों की सफाई होगी संभल-मुरादाबाद रोड पर बेशकीमती सरकारी जमीन है। इसका मूल्य कोई 101 करोड़ के आसपास है। संभल नगर पालिका के तत्कालीन ईओ राज कुमार गुप्ता इसी जमीन के गबन के आरोप में फंस गए हैं। एसपी ने कहा कि सिस्टम में रहकर सिस्टम को दीमक की तरह खाने वाले को बख्शा नहीं जाएगा।उत्तर प्रदेश के संभल में बड़ा जमीन घोटाला सामने आया है। आरोप है कि नगर पालिका के तत्कालीन अधिशासी अभियंता (ईओ) राज कुमार गुप्ता ने करीब 101 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन खुर्द-बुर्द कर डाली। लेखपाल की तहरीर पर जांच के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार लिया है। राज कुमार गुप्ता अभी शाहजहांपुर नगर निगम के सहायक नगरायुक्त के पद पर तैनात हैं। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने संभल के आम लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि किसी के पास भी तत्कालीन ईओ राज कुमार गुप्ता की कोई दूसरी करतूत की सूचना है तो पुलिस से साझा करें। क्योंकि जो लोग सिस्टम के अंदर रहकर सिस्टम को खाने का प्रयास कर रहे हैं-उनकी सफाई की जा सके।अतिक्रमण मुक्त कराई जमीन - संभल-मुरादाबाद रोड पर बेशकीमती सरकारी जमीन है, जो अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक की नजर में चढ़ गई। सौदेबाजी शुरू हुई और धीरे-धीरे सारी जमीन बेच डाली। अब जब पता लगा कि ये जमीन सरकारी है तो डीएम और एसपी ने इसे अतिक्रमण मुक्त कराया है। अपने फायदे के लिए सरकार का घाटा- एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि संभल के तत्कालीन ईओ राज कुमार गुप्ता और उप-चकबंदी संचालक ने अपने फायदे के लिए जमीन का गबन कराया। उप-संचालक चकबंदी ने फर्जी लोगों के नामांतरण किए। इसके खिलाफ जब कुछ लोग हाईकोर्ट गए तो ईओ राज कुमार गुप्ता ने केस वापस ले लिया। बाद में जमीन बेच दी गई। छह साल ईओ रहे गुप्ता - राज कुमार गुप्ता संभल नगर पालिका के छह साल तक ईओ रहे हैं। वर्ष 2022 में भी उनके खिलाफ 44 लाख रुपये के गबन का एक मामला सामने आया है। एसपी ने कहा कि छह साल की तैनाती के दौरान ईओ के खिलाफ जो भी शिकायतें और मामले होंगे-उन्हें जांच में शामिल किया जाएगा। आम लोगों से भी अपील है कि अगर उनके पास ईओ से जुड़ी कोई जानकारी है तो पुलिस से शेयर करें। जांच के घेरे में चेयरमैन - एसपी ने कहा कि जमीन घोटाले के मामले में नगर पालिका के तत्कालीन चेयरमैन और अन्य अधिकारी-कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बहराइच के मेहीपुरवा तहसील में सड़क पर जलभराव से ग्रामीण परेशान, मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच/अमरीक सिंह/ उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद की मेहीपुरवा तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत घूमना भारू के टेपरा गांव में सड़क पर जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि सुभाष के घर से नसीब खान के घर तक जाने वाली सड़क पर लंबे समय से पानी भरा रहता है, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है ग्रामीणों के अनुसार, इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया गया। बावजूद इसके अब तक सड़क निर्माण या जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने केवल कागजी कार्रवाई कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया बारिश होते ही सड़क तालाब का रूप ले लेती है, जिससे स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण दुर्घटना और बीमारी फैलने का भी खतरा बना रहता है समस्या के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने अब उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर सड़क निर्माण और जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर ग्रामीणों को इस समस्या से कब राहत मिलेगी? क्या जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहेंगे, या फिर ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा? यह देखने वाली बात होगी।

डीएम व एसएसपी ने किया टीईटी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायू जनपद में उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2026 के लिए बनाए गए समस्त 15 परीक्षा केन्द्रों पर प्रथम दिन की परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिलाधिकारी अवनीश राय ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा 02, 03 व 04 जुलाई को आयोजित की जा रही उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात स्टेटिक मजिस्ट्रेटों, पर्यवेक्षकों, केंद्र व्यवस्थापकों को आयोग के दिशा निर्देशों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा, पार्किंग, प्रकाश, साफ सफाई, सीसीटीवी कैमरे आदि व्यवस्थाओं का एक-एक कर निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। परीक्षा के सफल, शान्तिपूर्ण एवं शुचितापूर्ण संचालन हेतु परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200 मीटर की परिधि में और आवश्यकता पड़ने पर उसके बाहर भी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अन्तर्गत धारा-163 लगा दी गई है। डीएम ने बताया कि परीक्षा के दिन परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200-300 मीटर की परिधि में साइबर कैफे, फोटो कॉपी, प्रिन्टिंग दुकाने बन्द रहेगी। परीक्षा केन्द्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारण यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ अन्य संचार संबंधी उपकरण एवं आई0टी0 गैजेट्स ले जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। इस अवसर पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसपी नें डायल 112 को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच/ एसएसपी नें अंकिता शर्मा द्वारा जनपद में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस डायल 112 की 01 गाड़ी व एक वज्र वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 हृदेश कठेरिया,अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक सिंह, क्षेत्राधिकारी उझानी श्री सुनील कुमार सिंह व अन्य अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे।

अपना दल कमेरा वादी की संयुक्त बैठक 7 जुलाई को लखनऊ में होगी

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। अपना दल केमरा वादी राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुमोदन पर राम सनेही पटेल केंद्रीय कार्यालय सचिव और पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ सी एल पटेल के निर्देशानुसार और मंडल अध्यक्ष जिलाध्यक्ष एवं महिला जिलाध्यक्ष को लेकर दिनांक 7 जुलाई दिन रविवार को प्रात: 11 बजे संयुक्त मासिक बैठक केंद्रीय कार्यालय लाल बाग लखनऊ में होगी बैठक में संगठनात्मक एवं समसामयिक विषयों पर महत्व पूर्ण चर्चा की जायेगी

यह जान कारी अपना दल एस कमेरा वादी के जालौन जिलाध्यक्ष राम जी पटेल ने दी है।

वन महोत्सव के अवसर राजकीय इण्टर कॉलेज अमरिया में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सुमित गुप्ता/ जनपद पीलीभीत के तहसील अमरिया में राजकीय इण्टर कॉलेज में वन महोत्सव के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह उर्फ श्याम सिंह ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। ब्लॉक प्रमुख ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़ हमारी मां की तरह ही जीवन देते हैं। हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने छात्रों से पर्यावरण संरक्षण में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी विनीत प्रकाश श्रीवास्तव शैलेन्द्र यादव वन दरोगा कोशिंदर यादव यादव वन दरोगा व कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस दौरान कॉलेज परिसर में आम, नीम, पीपल और छायादार पौधे लगाए गए।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय दूसरे स्थान पर आया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। स्वच्छ एवं हरितक्रांति के सर्वे के अनुसार उत्तर प्रदेश में संचालित 746

कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में कोच कस्तूरबा आवासीय विद्यालय को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है वहीं संपूर्ण भारत में संचालित 4887 कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में चयनित किए गए 14 कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में कोंच कस्तूरबा आवासीय विद्यालय को स्थान प्राप्त हुआ है इस उपलब्धि के मिलने पर कोंच सहित संपूर्ण जनपद में हर्ष एवं खुशी व्याप्त है इसी उपलब्धि से प्रभावित होकर स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर नगर पालिका परिषद के ब्रांड एंबेसडर समाजसेवी इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ने कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की प्रबंधका श्री मती वंदना वर्मा को बधाई पत्र एवं हरित क्रांति के स्वरूप एक एलोवेरा का पौधा भेंट किया इस अवसर पर प्रेम नारायण जी वर्मा प्रधानाचार्य अमरचंद महेश्वरी इंटर कॉलेज कोच एवं ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य शिक्षक साहित्यकार संजय सिंघाल तथा ट्रस्ट के प्रदेशीय उपाध्यक्ष कुंवर नरसिंह गहरवार एडवोकेट एवं शिक्षक राजेंद्र दुबे भी उपस्थिति थे।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहें।

पंचायत विकास योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, 15 अगस्त तक सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण करें - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायत विकास योजना (PDP/GPDP) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं eGramSwaraj Portal पर निर्धारित समयावधि में सभी कार्यों के शत-प्रतिशत अद्यतन को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पंचायत विकास योजनाओं का निर्माण, अनुमोदन एवं ऑनलाइन प्रविष्टि समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शासन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 की पंचायत विकास योजना (PDP/GPDP) से संबंधित समस्त कार्य 15 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से eGramSwaraj Portal पर पूर्ण कर अद्यतन किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए तथा प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर संबंधित समस्त विभागों के नोडल अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पंचायत विकास योजना निर्माण की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम, क्षेत्र एवं जिला पंचायत स्तर पर GPDP Portal तथा eGramSwaraj Portal पर निर्धारित समस्त कार्यवाहियां समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत पूर्ण कराई जाएं। किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रशासनिक बाधा आने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम सभा महिला सभा, बाल सभा तथा अन्य आवश्यक समितियों की बैठकें आयोजित कर जनसहभागिता के माध्यम से ग्राम पंचायतों की वास्तविक आवश्यकताओं का आकलन किया जाए तथा जीपीडीपी ऐप, फैसिलिटेटर फीडबैक तथा अन्य आवश्यक प्रविष्टियां शासनादेश के अनुरूप समय से पूर्ण कराई जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत विकास योजनाएं Participatory Development Inde& (PDI) एवं स्थान-आधारित विकास दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएं, ताकि प्रत्येक पंचायत की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं सहभागी विकास सुनिश्चित हो सके उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य योजनाओं में राज्य वित्त आयोग, केंद्रीय वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन, ग्राम स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पोषण, आपदा प्रबंधन, गरीबी उन्मूलन तथा अन्य अभिसरण आधारित योजनाओं का समुचित समावेश सुनिश्चित किया जाए, जिससे उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर समग्र ग्रामीण विकास को गति मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए तथा 15 अगस्त 2026 तक शासन द्वारा निर्धारित प्रत्येक लक्ष्य को पूर्ण करते हुए eGramSwaraj Portal पर शत-प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित किया जाए। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण न करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आम बहार आपके द्वार रैली से गूंजा वन महोत्सव के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण का दिया गया जनसंदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ उरई। वन महोत्सव के द्वितीय दिवस पर जनपद में पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वन विभाग तथा हेल्पिंग हैण्ड्स सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आम बहार आपके द्वार थीम पर भव्य जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारंभ प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय परिसर से हुआ, जिसे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा एवं जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय से प्रारंभ होकर टाउन हॉल तक निकली इस रैली ने नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं पौधों की सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। रैली में कुल 350 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिनमें लगभग 150 महिलाएं एवं 200 पुरुष शामिल रहे। प्रतिभागियों ने पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया और यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है रैली के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और हरित आवरण में कमी के दुष्परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। प्रभागीय वनाधिकारी ने वर्षाकाल 2026 के लिए विशेष अपील करते हुए कहा कि नागरिक अभी से पौधरोपण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें और वर्षा होने पर पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों का संरक्षण पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए।

इस अवसर पर हेल्पिंग हैण्ड्स सेवा संस्थान के अध्यक्ष सत्येन्द्र श्रीवास्तव, धनाराम महाविद्यालय के प्रबंधक बच्चू महाराज सहित अनेक सामाजिक एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उप प्रभागीय वनाधिकारी, क्षेत्रीय वन अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान हरित पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण और जनभागीदारी को लेकर लोगों में विशेष उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली।

रायपुर से गूंजा गौ सम्मान का संकल्प: 251 तहसीलों के प्रतिनिधियों ने बनाई प्रदेशव्यापी रणनीति

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रवीण शर्मा/ रायपुर- राजधानी रायपुर स्थित श्री सालासर धाम में गुरुवार को गो सम्मान आह्वान अभियान की प्रदेश स्तरीय प्रांतीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छत्तीसगढ़ की सभी 251 तहसीलों से आए गौ सेवकों, गोसेविकाओं, युवाओं, मातृशक्ति तथा सनातन समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में आगामी 27 जुलाई 2026 को होने वाले राष्ट्रव्यापी गो सम्मान आह्वान अभियान की प्रदेशव्यापी रणनीति, जनजागरण कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें पूज्य संतों एवं अभियान के पदाधिकारियों ने मीडिया को बताया कि 27 जुलाई को देश के 790 जिला मुख्यालयों पर एक साथ व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिला मुख्यालयों पर भी हजारों गौभक्त, किसान, युवा, मातृशक्ति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि जिला प्रशासन के माध्यम से भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। अभियान की प्रमुख मांगों में गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान प्रदान करना तथा केंद्रीय कानून बनाकर पूरे देश में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करना शामिल है। अभियान का उद्देश्य गौ संरक्षण, गौ सुरक्षा एवं गौ सम्मान के पक्ष में जनभावनाओं को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यम से भारत सरकार तक पहुँचाना है। कार्यशाला में संगठन विस्तार, जनसंपर्क, हस्ताक्षर अभियान, सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्रचार-प्रसार की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि अभियान को अधिक प्रभावी एवं जन-जन तक पहुँचाया जा सके। कार्यक्रम में पूज्य साधु-संतों का पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संतों ने प्रदेश के गौभक्तों, युवाओं, मातृशक्ति एवं समस्त सनातन समाज से 27 जुलाई के राष्ट्रव्यापी अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि गौ संरक्षण, गौ सुरक्षा और गौ सम्मान के लिए व्यापक जनसमर्थन एवं जनभागीदारी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

ग्राम नरी में निकली स्कूल चलो अभियान चलाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सुमित गुप्ता/ कोंच(जालौन)। तहसील के ग्राम नरी में यूपीएस नरी के द्वारा स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि शीतल सिंह सेंगर और ग्राम प्रधान चलो अभियान के तहत रैली को को इस रैली के माध्यम से जागरूक जरूर जाबे और अच्छी शिक्षण ग्रहण

माधोगढ़ के समाजसेवी और भाजपा नेता नरी सिद्धार्थ मौजूद रहे अतिथि यों ने स्कूल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ओर बच्चों किया उन्होंने कहा कि बच्चे प्रतिदिन स्कूल करे उन्होंने कहा कि बच्चों के माता पिता की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजे यह रैली पूरे गांव में भ्रमण करती हुई स्कूल पहुंची बच्चों को संचारी रोगों के बारे में भी जानकारी दी गई है इस अवसर पर यूपीएस स्कूल के प्रिंसिपल डा हरपाल सिंह यादव शिक्षक राम सनेही राजपूत संगीता वर्मा प्रीति खरे रुचिर नायक भीम प्रकाश प्रियंका राजपूत अर्चना नामदेव के अलावा अनिल कुमार राम पाल सिंह राजपूत बाबू लाल मोहित राम प्रकाश शिव कुमार सुनील सहित स्कूल के छात्र छात्राएं मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

सर्वोच्च न्यायालय के समाधान समारोह में सुलह-समझौते से होगा लंबित मामलों का निस्तारण, 21 से 23 अगस्त तक आयोजित होगा विशेष अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव शाम्भवी ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान एवं माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को समाधान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष पहल का उद्देश्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराना है। सचिव ने बताया कि जिन पक्षकारों की पत्रावली माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है और वे आपसी सहमति से अपने वाद का निस्तारण कराना चाहते हैं, वे समाधान समारोह के लिए अपनी पत्रावली चिन्हित करा सकते हैं। इसके लिए संबंधित पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं अथवा अपने विद्वान अधिवक्ता के माध्यम से भी पत्रावली चिन्हित करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाधान समारोह न्यायालयों में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे समय न्यायिक प्रक्रिया की बचत के साथ दोनों पक्षों को आपसी सहमति से न्याय प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। सचिव शाम्भवी ने जनपदवासियों से अपील की कि जिनके मामले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं, वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा समय रहते अपनी पत्रावलियों को समाधान समारोह के लिए चिन्हित कराकर सुलह-समझौते के माध्यम से अपने वादों के निस्तारण की प्रक्रिया में सहभागी बनें।

अवैध खनन पर अब होगी बहु-विभागीय सख्त कार्रवाई, एनजीटी के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर जनपद के समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, क्षेत्राधिकारियों, खान अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) तथा उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित संबंधित अधिकारियों को अवैध खनन, अवैध भंडारण एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अवैध खनन से संबंधित प्रत्येक प्रकरण में सभी लागू विधिक प्रावधानों के अंतर्गत एक साथ प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज कर पुलिस द्वारा प्रभावी विवेचना कराई जाए। साथ ही खान एवं भू-तत्व विभाग द्वारा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के अंतर्गत पृथक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व, परिवहन, जीएसटी, आयकर एवं अन्य संबंधित विभाग भी अपने-अपने अधिनियमों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करें, जिससे अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्रवाई केवल वाहन चालक तक सीमित न रखी जाए, बल्कि वाहन स्वामी, अवैध खनन कराने वाले, अवैध भंडारण करने वाले, भूमि उपलब्ध कराने वाले, अवैध खनिज के खरीदार तथा अन्य सभी संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की गहन जांच कर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाए। आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त एवं पृथक वित्तीय दायित्व भी निर्धारित किया जाए। उन्होंने क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर प्रभावी विवेचना सुनिश्चित की जाए तथा अपराध में प्रयुक्त वाहन, मशीनरी एवं खनिज का विधिसम्मत अधिग्रहण एवं जब्ती कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए। खान अधिकारी प्रत्येक प्रकरण में आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए सक्षम न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करें तथा पुलिस एवं राजस्व विभाग के साथ सतत समन्वय बनाए रखें जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खान अधिकारियों को संयुक्त रूप से नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त प्रवर्तन टीम गठित कर नियमित चेकिंग एवं रात्रिकालीन गश्त कराई जाए तथा अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जाए। स्तरीय अधिकारी समय-समय पर खनन पट्टा क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि पर्यावरण स्वीकृति (ईसी), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आवश्यक अनापत्ति एवं सहमति (सीटीई एवं सीटीओ) सहित सभी वैधानिक शर्तों का पूर्ण अनुपालन हो।

Want to reduce stress? Do these simple yoga poses daily and you'll find instant relief.

If you're stressed, start practicing a yoga asana. Here, we'll share information about one such yoga asana that will be helpful. Stress has become a common problem in today's fast-paced life. Work pressure, study stress, family responsibilities, and constant screen time affect mental peace. People try different methods to achieve mental peace, but yoga is considered the easiest and most natural solution. Yoga not only keeps the body fit but also calms the mind. There are specific yoga poses that help reduce stress, relax the mind, and increase concentration. If you're experiencing persistent stress, anxiety, or fatigue, this article is extremely helpful. Here, we'll tell you about an effective yoga asana that, when practiced regularly, can provide mental peace and positive energy, gradually reducing stress. What is Balasana? Balasana is a very simple and relaxing yoga posture, considered highly effective for reducing stress and mental fatigue. In this asana, the body is bent like a child's position, providing deep peace to the spine, shoulders, and mind. This yoga asana relaxes the nervous system and helps stabilize the mind. How to do it? The process of Balasana is very simple and anyone can do it at home: First, sit on your knees on a yoga mat. Slowly bend your body forward. Touch your forehead to the ground. You can stretch your arms straight forward or keep them close to your body. Now, take a deep, slow breath and hold this position for 1 to 2 minutes. Slowly return to the normal position. It is very important to focus on your breathing during this exercise, which helps in achieving mental peace quickly. Benefits: Regular practice of Balasana provides many physical and mental benefits: it rapidly reduces stress and anxiety. It calms and stabilizes the mind. Reduces mental fatigue and overthinking. Improves sleep quality. Relieves body stiffness and fatigue. Provides positive energy and balance to the mind. These yoga asanas will also be useful: Shavasana: Provides deep relaxation to the body and eliminates stress. Anulom-Vilom: Balances the breathing process and calms the mind. Bhramari Pranayama: Extremely effective in reducing mental stress, anger and anxiety.

Global concern about the Ebola outbreak: what has the WHO said, and what preparations are being made in India?

Amid the continued emergence of cases in Congo and Uganda, the confirmation of infections in Europe has raised concerns among health agencies. However, the World Health Organization (WHO) states that the global risk remains low at this time. Let's find out what measures are being taken to prevent the spread. Ebola is currently a cause of serious concern for health experts globally. The current Ebola outbreak was officially declared on May 15, 2026. The Democratic Republic of Congo is currently the most affected country, but the threat and fear of Ebola are also being felt in several other countries. On June 25, the Congolese Ministry of Health reported a total of 1,155 confirmed cases, including 304 deaths and 385 people in isolation. Uganda is also affected in Congo. In a published report, we reported that after African countries, the first case of Ebola was reported in Europe. The World Health Organization (WHO) has consistently expressed concern about the risks of Ebola. However, in a recent statement, the WHO chief stated that the global risk from the Ebola outbreak remains low. Given the risk of infection, many other countries, including India, are on constant alert and taking necessary steps. Let's explore this in detail. Ebola Case in France - WHO chief Tedros Adhanom Ghebreyesus has once again alerted everyone after the Ebola case was reported in France. However, he stated that the global risk of infection remains low. A case of Ebola was reported in a doctor returning from Congo, marking the first case of the deadly hemorrhagic fever reported outside the African continent. According to a report, the doctor identified as the first confirmed case of Ebola deteriorated during a flight, despite being asymptomatic when he boarded the plane. This has raised new concerns about the spread of the disease from one country to another. Under the new restrictions, anyone identified as having been in contact with a confirmed or suspected Ebola case must undergo active health monitoring for 21 days. In France, a doctor confirmed with Ebola has been quarantined. Ebola risk in India: Health experts say that Ebola reports show that the number of confirmed cases is increasing weekly, indicating community transmission. If public health measures are not implemented immediately, the spread of the infection could accelerate. India is on alert regarding the risk of infection amid ongoing international travel. Currently, no Ebola cases have been reported. Passengers arriving from abroad are being screened at the airport. Isolation arrangements have been made for patients with potential symptoms. In a recent report published in Amar Ujala, we reported that a woman returning from South Sudan was admitted to the isolation ward at Kottayam Medical College in Kerala. There have been reports of suspected Ebola cases in the country before as well. 'Air Suvidha 2.0' to prevent infection India is also on alert regarding the Ebola outbreak. People coming from abroad are being monitored closely. India has launched 'Air Suvidha 2.0' to strengthen surveillance at airports. Under this contactless digital platform, all passengers coming from abroad will have to fill an online health self-declaration form before starting their journey. This step has been taken after the decision of WHO in which it has declared this outbreak spread in Central Africa as a 'Global Health Emergency'. This portal, called "Air Suvidha 2.0," was launched on June 25th and applies to all travelers arriving in India from any country, including the large number of Indians traveling through UAE, which operates daily direct flights to Indian cities. Infection prevention precautions: Countries bordering Congo and Uganda, including South Sudan, have been identified as high-risk for further spread of the infection. India's Civil Aviation Authority and Delhi International Airport Limited stated that the portal was launched to protect both arriving passengers and airport staff and to ensure the entire process is contactless. In another report, amid ongoing risks, WHO official Abdirahman Mahamoud said, "More and more communities are becoming aware of the Ebola threat and are seeking essential supplies to protect themselves and stay safe." Currently, the Congolese city of Ituri is believed to be the epicenter of the outbreak. Scientists at Oxford University are working on a vaccine against the rare Bundibugyo strain, but it will take at least another month for the vaccine to be ready for clinical trials.

Make your home mosquito-free before the monsoons arrive by cleaning these corners.

If you don't want mosquitoes to breed in your home during the rainy season, be sure to clean certain key corners. Here, we'll provide information on this. While the rainy season brings relief and coolness, it also increases the risk of many diseases. Mosquito-borne diseases like dengue and malaria are particularly prevalent during this time. The biggest reason for this is the accumulation of clean or dirty water in and around homes, where mosquitoes breed easily. Therefore, a thorough cleaning of the home before the monsoons begins is crucial. If precautions are not taken in time, water and dirt accumulated in small corners can become breeding grounds for mosquitoes. In this report, we'll explain which areas of the house need to be cleaned, which areas are most vulnerable, and how you can protect your family from dangerous diseases like dengue and malaria. A little caution can save you from serious danger. Drain water from cooler and AC trays immediately. Stagnant water in cooler and AC trays is a prime breeding ground for mosquitoes. Aedes mosquitoes readily lay eggs in them. Therefore, empty the water completely every 2–3 days and keep the trays dry. If necessary, you can also spray a mild insecticide. 2. Clean stagnant water on the roof and balcony. Rainwater that accumulates on the roof or balcony becomes a breeding ground for mosquitoes for a long time. Check for stagnant water after every rain. Keep pipes and drainage clean so that water can drain easily. 3. Avoid standing water in pot trays and under plants. Water accumulated in plant trays is often overlooked, but it becomes a major mosquito breeding ground. Avoid excess water in the trays and allow the soil to dry out once a week. 4. Clean bathroom and kitchen drains. Dirt and water stagnation in drains promote mosquito breeding. Clean the drains at least once a week with hot water or detergent. 5. Remove old tyres, bottles and junk- Rainwater gets accumulated in old items lying around the house. These are the most dangerous mosquito breeding spots. Remove them immediately or keep them upside down.- 6. Keep water tanks covered- Mosquitoes easily lay eggs in open water tanks. Always keep the tank covered with a lid and clean it from time to time. 7. Use insecticides or mosquito repellent in the corners of the house. Sprays, coils or natural remedies like neem smoke help in reducing mosquitoes. Do not let the corners remain dark and damp. 8. Install nets on windows- The most effective way to prevent mosquitoes from entering the house is to install nets. This is a one-time expense but provides protection for a long time.

Rashmika Mandanna will once again work with Allu Arjun, playing a key role in 'Raaka'! Shah Rukh Khan may make a cameo.

Popular South actress Rashmika Mandanna is set to share the screen with Allu Arjun once again. Find out what the story is all about. Audiences loved the strong chemistry between Rashmika Mandanna and Allu Arjun in 'Pushpa,' and now it's reported that the pair will be seen together again in 'Raaka.' Rashmika will play a key role! - According to Variety, Rashmika Mandanna will play a key role in this film. The first schedule of shooting is set to begin soon in Mumbai, and Rashmika will also join the cast soon. Director Atlee's film has already generated

considerable buzz, and Rashmika's entry has only increased fans' excitement. Audiences are eagerly awaiting any new updates related to this project. Will Shah Rukh Khan make a cameo? According to reports, in addition to Rashmika, Mrunal Thakur and Janhvi Kapoor may also appear in important roles in the film. There is also talk that Shah Rukh Khan may make a cameo in the film, although there has been no official confirmation from the makers yet. Recently, it was also reported that the film's teaser could be launched at a virtual event, which Atlee, Allu Arjun, and Deepika Padukone may attend. The first poster of "Raaka" was released - On the occasion of Allu Arjun's 44th birthday, the makers released the first poster of "Raaka." In this poster, Allu Arjun's face is partially hidden behind fur, giving him a wild and powerful look. His eyes appear powerful and mysterious. More information about the film - "Raaka" is reportedly being made on a massive budget of over ?700 crore. Sun Pictures is producing the film. The next shooting schedule will begin soon in Mumbai and could continue throughout the year. When will the film be released? If everything goes as planned, shooting could be completed by the end of 2026. Reports suggest the makers are planning a December 2027 release, but no official release date has been announced yet.

Disha Patani's bold style has fans in awe; the actress shared photos from "Welcome to the Jungle"

Recently, Disha Patani appeared in the Akshay Kumar-starrer "Welcome to the Jungle." Disha shared some photos from the film's shooting on her Instagram page, leaving fans stunned.

In addition to her acting, in the news for her bold and also saw her bold look in Jungle." Several songs were including one with Akshay posted some BTS photos "Welcome to the Jungle" on Saturday, which were liked alike. In the photos, Disha is beach, wearing a glamorous photos, she is also seen moves. Disha Patani is also song rehearsal with Akshay havoc in a black colored one from the fans, these bold, Disha Patani have been liked sister Krishna Shroff. Let us Patani's name was once Shroff. In many pictures, rehearsing, sometimes she is also seen clicking selfies.

Disha Patani is often glamorous looks. Fans "Welcome to the filmed with her, Kumar. Disha Patani from the shooting of Instagram on by fans and celebrities seen standing on a dress. In some of the performing dance seen dancing during a Kumar. She is creating piece dress. Apart glamorous pictures of by Tiger Shroff's tell you that Disha linked with Tiger Disha Patani is seen relaxing. Sometimes Talking about Disha's career front, she will soon be seen in a film 'Awarapan 2'. Emraan Hashmi is in the lead role in this film.

'Haiwaan' will be released in theaters on this day, Saif and Akshay will be seen together after 18 years.

The makers of the film 'Haiwaan' have released the release date on social media. Akshay Kumar and Saif Ali Khan will be seen together after almost 18 years in this film. Actor Akshay Kumar's film 'Welcome to the Jungle' was recently released. Now, on Saturday, the makers of the actor's next film, 'Haiwaan', shared special information related to this. The makers revealed the release date of the film through a social media post... Akshay and Saif will work together after 18 years. In 'Haiwaan', not only Akshay Kumar but also Saif Ali Khan will be seen with him. The film will see the two actors sharing the screen together after 18 years. The last time they appeared together was in the 2008 film 'Tashan'. In the recently released film "Welcome to the Jungle," Akshay was seen sharing the screen with Raveena Tandon after many years. "Haiwaan" is a remake of the 2016 Malayalam film "Oppam," which starred Mohanlal. In addition to Akshay and Saif, Shreya Pilgaonkar and Saiyami Kher will also be seen in pivotal roles. Boman Irani is also in a key role. It's also rumored that Akshay will play the villain in this film. Shooting for the film began in August 2025. When will the film be released? On Saturday, the makers of "Haiwaan" announced that the film is scheduled to release on September 11th this year. The film is jointly produced by KVN Productions and Thespian Films, and directed by Priyadarshan. The story is written by Rohan Shankar, who previously wrote the dialogues for the hit film 'Saiyaara'